

P. 10, 13, 31. — 2) m. N. pr. eines der Söhne des Çūra HARIV. 1926. 1938.
वत्सविन्द m. N. pr. eines Mannes, pl. seine Nachkommen PRAVARĀDH.
in Verz. d. B. H. 80, 24.

वत्सवृह m. N. pr. eines Sohnes des Urukrija BHĀG. P. 9, 12, 9.

वत्सव्यूह m. N. pr. eines Sohnes des Vatsa VP. 463. — Vgl. वत्सभूमि.
वत्सशाल (von वत्सशाला) adj. in einem Kälberstalle geboren P. 4, 3, 36.

वत्सशाला f. Kälberstall P. 4, 3, 36.

वत्सानी f. Cucumis maderaspatanus GĀṬĀDH. im ÇKDR. — Vgl. गवाली.

वत्साङ्ग m. N. pr. eines Mannes Verz. d. Oxf. H. 130, a, 5.

वत्साज्ञीव adj. durch Kälber seinen Lebensunterhalt gewinnend, Bein.
eines Piṅgala BURN. Intr. 360.

वत्सादन 1) adj. Kälber fressend. — 2) m. Wolf RĪĀN. im ÇKDR. —

3) f. ई Cocculus cordifolius Dec. (thre Kinder aufzehrend, so genannt,
weil die Pflanze nur eine oder zwei von drei Beeren zur Reife bringt;
vgl. ROXB. 3, 812) AK. 2, 4, 3, 1. H. 1137. HALĀ. 2, 460.

वत्साय् (von वत्स) ein Kalb darstellen: वत्सायन्ती BHĀG. P. 10, 30, 17.

वत्सार m. N. pr. eines Sohnes des Kaçjapa Verz. d. Oxf. H. 86,
b, 38. — Vgl. ऋ०.

वत्सामुर m. N. pr. eines ASURA PAÑĀAT. 4, 3, 132. — Vgl. वत्सक 1) c).

वत्सैन् (von वत्स) adj. ein Kalb habend: गावः RV. 7, 103, 2, als Beiw.
Vishnu's MBH. 13, 6999 vielleicht viele Kinder habend.

वत्समैन् (wie eben) m. nom. abstr. gaṇa पृथ्वदि zu P. 5, 1, 122. die
erste Jugend, kindisches Alter NAISH. 3, 55.

वत्सीपुत्र und वत्सीपुत्रीय fehlerhaft für वा०.

वत्सीय adj. = वत्सैभ्यो क्तितः, z. B. गोडुकू P. 5, 1, 5, Sch.

वत्सेश m. ein Fürst von Vatsa KATHĀS. 30, 69.

वत्सेश्वर m. dass. RĀTĀV. 5, 2. KATHĀS. 26, 280. 30, 39.

वत्स्य MBH. 13, 1951 fehlerhaft für वत्स, wie die ed. Bomb. liest.

वध्मर m. Paushkarasādi's Schreibung für वत्सर P. 8, 4, 48, Vārtt.
3, Sch.

वद्, वदति und ०ते DĀRUP. 23, 40 (व्यक्तायो वाचि). 34, 34 (सदेशवचने,
v. l. संदेशने, भाषणे), वदेत्, उदेयम् (AV. 3, 20, 10. 16, 2, 2), ऋभिवादत् 2.
pl. imperat. (aus metrischen Rücksichten gedehnt) MBH. 3, 10908. ऋनु-
वादिपुम् (aus metrischen Rücksichten gedehnt) 4, 229; उवाद, उदतुम्
VOP. 8, 141. वेदतुम्, वेदिद्य 52. ऊदिमै, उदे, ऊदति, ऊदिरे; ऋवादित् P.
7, 2, 3. VOP. 8, 47. 141. (सम्) ऋवादिर्न्; वदिष्यति; उद्यासम् ÇAT. Br. 1,
5, 1, 18. वदितुम्; उदित्वा P. 1, 2, 7. VOP. 26, 204. ०उद्य; pass. उद्यते,
ऋवादि, उदितै. 1) act. a) *reden, sagen, sprechen*: यः पुरा सुते वदामि
कानि चित् RV. 1, 103, 7. मृता वदतः 161, 9. तुरीये वाचो मनुष्या वदन्ति
164, 45. 5, 35, 8. वाचं चित्राम् 63, 6. AIT. Br. 1, 6. ऋसत् RV. 7, 104, 3. ऋ-
विचेतनानि 8, 89, 10. 10, 166, 3. VS. 20, 28. AV. 1, 32, 1. 6, 47, 2. 7, 68, 2.
8, 11, 3. 12, 1, 56. यदत्तेषु वदीः 3, 52. यद्वदिष्यन्वा करिष्यन्वा स्यात् ÇAT.
Br. 2, 4, 1, 14. 3, 2, 2, 20. 4, 8, 7. AIT. Br. 5, 14. KAUSH. UP. 3, 2. वदती वरः
MBH. 3, 3019. R. 2, 99, 13. RAGH. 1, 59. वद मौनं समाचर Spr. 579. VET.
in LA. (III) 4, 3. वद वन्द्या कीदृशी नाम Spr. 855. MBH. 3, 2183. त्रि-
र्वदामि R. 1, 71, 22. 2, 28, 4. RAGH. 19, 22. उन्मत्तस्येव वदतस्तस्य RĪĀ-
TAR. 5, 81. ऋवादीस्त्वं वयसा यः प्रवृहः स वै राजन्नाभ्यधिकः कथ्यते च
MBH. 1, 8579. KATHĀS. 4, 64. 5, 92. 18, 148. 340. 21, 137. HIT. 15, 1, 18.

VI. Theil.

18, 1, 26, 11. 27, 5. ÇUK. in LA. (III) 36, 4. BHATT. 7, 96. भद्रमित्येव वा
वदेत् M. 4, 139. R. 1, 33, 25. 2, 63, 49. Spr. 471. 1163. KATHĀS. 18, 211.
DAÇAK. 59, 10. PAÑĀAT. 63, 21. BHATT. 1, 18. त्वमप्येवं नले वद् MBH. 3,
2102. ÇĀK. 23, 14. PAÑĀAT. 67, 22. मैवं वद् MBH. 5, 5985. मैवं वादीः KA-
THĀS. 12, 95. SARVADARÇANAS. 79, 22. 119, 14. ऋन्यथा M. 8, 103. MBH. 1,
913. MĀRK. P. 64, 16. मिथ्या 21, 58. M. 8, 59. ÇĀK. 123. मृषा M. 8, 71.
यदि यथा वदति तथा त्वमसि ÇĀK. 123. सर्वो जनो वदिष्यति यत् dass PAÑ-
ĀT. 48, 14. किं वदामि यत् so v. a. was brauche ich noch zu sagen, dass?
dann brauche ich es kaum mehr zu sagen, dass Spr. 2649. वदत यदि
ob Spr. 711. किं प्रयच्छामि तुभ्यं द्रोण वदाम् तत् MBH. 1, 5130. Spr. 2177.
BHĀG. P. 7, 10, 69. PAÑĀAT. 45, 25. सर्वमेवाञ्जसा वद् M. 8, 104. ऋवाद्य-
वादीश्च बहून्वदिष्यन्ति BHĀG. 2, 36. इति वचनं युक्तमस्मद्विधो वदेत् MBH.
3, 16720. 2, 2300. 5, 7510. R. 2, 47, 3. 64, 80. 5, 29, 17. 6, 16, 1. Spr. 1232.
5336. BHĀG. P. 3, 25, 35. BHATT. 4, 28. तथा सह स्नेहवचनानि वदति VET.
in LA. (III) 20, 2. 3. नानृतं वदेत् M. 3, 229. 4, 236. 8, 36. 82. 97. Spr. 5389.
यः साध्यमनृतं वदेत् M. 8, 93. 119. वद् सत्यम् MBH. 3, 2473. KATHĀS. 4,
77. BRAHMA-P. in LA. (III) 56, 12. नासत्यं नाप्रियं वदेत् R. 4, 17, 27. VA-
RĀH. BRH. S. 75, 6. तद्वितथमवादीर्यन्मम त्वं प्रियेति SĀH. D. 43, 9. गर्हित-
तम् R. 3, 51, 23. ऋप्रस्तुतम् PAÑĀAT. 36, 23. ऋक्रुष्टः कुशलं वदेत् M. 6, 48.
तेभ्यो ऽभयं वदेत् KAUC. 49. स्वागतम् KATHĀS. 18, 353. स्वस्ति R. 1, 4, 21.
हुण इहूतिमूदिम RV. 1, 161, 1. 5, 37, 2. शमम् so v. a. rathen zu MBH. 3,
1114. fg. zu Jmd sprechen, anreden; mit acc.: मामेवं वदतु R. 1, 63, 22.
KATHĀS. 18, 272. DAÇAK. 84, 8. BHATT. 5, 55. वदेद्वाज्ञी च चेटो च भवतीति
विद्वेषकः BHAR. im COMM. zu ÇĀK. 3, 2. ऋशीर्भिरनुकूलाभिरुभावप्य-
वदत्ता HARIV. 6973. mit dopp. acc.: यन्मो वदसि MBH. 3, 1853. R. 1,
63, 7. BHATT. 5, 96. Die Person im acc. mit ऋभिः वद मामभि MBH. 7,
98. im gen. KATHĀS. 18, 142. — pass.: ताभ्यामवादि impers. RĪĀ-TAR.
1, 219. 3, 23. उदित α) *gesagt, gesprochen* AK. 3, 2, 57. H. an. 3, 252.
MRD. t. 100. इत्युदिते impers. KATHĀS. 26, 98. सत्योत्तरा कैवास्य वागु-
दिता भवति AIT. Br. 1, 6. धात्र्या प्रथमोदितं वचः RAGH. 3, 25. उदितं
प्रियां प्रति वचः ÇIC. 9, 69. पुष्पदत्तोदितो कयाम् KATHĀS. 7, 39. n. das
Gesprochene, Rede, Worte H. Ç. 81. VARĀH. BRH. S. 51, 1. BHĀG. P. 4, 7,
6. — β) *angeredet, angesprochen*: इत्युदितः स तथा KATHĀS. 26, 183. ÇIC.
9, 61. BHĀG. P. 6, 7, 26. — b) *mittheilen, verkünden, angeben, besprechen,*
sprechen über: ऋथ मागधराज्ञानो भाविन्यो ये वदामि ते BHĀG. P. 9, 22,
44. यं वदति तमोभूता धर्ममतद्विदः M. 12, 115. ब्रह्म HARIV. 11140. VA-
RĀH. BRH. S. 84, 1. वदती जारवृत्तात् पत्न्यौ Spr. 2712. यो गोत्रादि वदति
स्वयम् H. 856. ज्ञापुषं को वदति प्रापैरिष्टतरं मम Bericht erstatten über
R. 4, 36, 21. यदि न च परपुरुषं वदसि *sprechen von* PAÑĀAT. 37, 24. ऋ-
श्र्यवददति तथैव चान्यः (एनम्) *spricht von ihm wie von einem Wunder*
BHĀG. 2, 29. AIT. UP. 3, 13 (wohl वावदिष्यदिति zu lesen). उदित *mitge-*
theilt, verkündet, angeben: निषेकादिष्मशानात्तो मन्त्रैर्यस्योदितो विधिः
M. 2, 16. 1, 79. 4, 259. 8, 214. 9, 25. 31. 96. 250. 11, 89. 12, 113. उत्तरं सूत्र-
म-यूह्य स्वयमेव मयोदितम् KATHĀS. 7, 11. मन्त्रो मे गुरुपोदितः 49, 239.
Verz. d. Oxf. H. 63, b, 21. RĪĀ-TAR. 5, 117. BHĀG. P. 5, 1, 10. 26, 37. AK.
2, 1, 1. तदुदितं संकेतनम् VET. in LA. (III) 20, 14. ऋतिस्मृत्युदितं धर्मम्
M. 2, 9. 4, 14. 155. 11, 203. JĀĀK. 1, 154. gelehrt so v. a. *recipiert, richtig;*
compar. उदिततर so v. a. इष्टतर ÇĀNH. Br. 19, 2. — c) *ankündigen,*

41*